(σύντομη Εισαγωγή)

Σήμερα, 19 Δεκεμβρίου 2024, κάναμε το τελευταίο μάθημα αρχαίας ελληνικής γλώσσας για το 2024. Ένα χρόνο μετά, το 2025, πολλά από όσα με κόπο και θυσίες μάθατε κινδυνεύουν να χαθούν, καθώς (οι περισσότεροι) δε θα έχετε την τύχη να δείτε / διαβάσετε / μιλήσετε στα αρχαία ελληνικά για ένα μεγάλο χρονικό διάστημα (20 μέρες). Για να μην αισθανθείτε άσχημα, μπορείτε να ασχοληθείτε με λίγες επαναληπτικές ασκήσεις.

**Κλίση ουσιαστικών**

Να συμπληρώσεις τις υπόλοιπες πτώσεις των ουσιαστικών στον πίνακα που ακολουθεί (**με τη Γραμματική ανοιχτή στη σελίδα που σημειώνεται**):

σ. 69 σ. 67 σ. 66

σελίδες 77-78 (όπως: το κτῆμα) (όπως: ἡ πατρίς) σ. 61 (όπως: ὁ κόραξ) σ. 63

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Ονομαστική εν.** |  |  |  |  |  |  |
| **Γενική εν.** |  |  | τῆς ἐλπίδος |  |  |  |
| **Δοτική εν.** | τῷ ἀνδρί |  |  |  |  |  |
| **Αιτιατική εν.** |  |  |  | τήν πόλιν |  |  |
| **Ονομ. πληθ.** |  |  |  |  |  |  |
| **Γεν. πληθ.** |  |  |  |  | τῶν φυλάκων |  |
| **Δοτ. πληθ.** |  |  |  |  |  | τοῖς βασιλεῦσι |
| **Αιτ. πληθ.** |  | τά σώματα |  |  |  |  |

Να κλιθούν τα παρακάτω ρήματα στους τέσσερις χρόνους της οριστικής (Γραμματική, σελίδα 164, όπως: λύω - σελίδα 168, όπως: λύομαι):

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **Ενεστώτας** | **Παρατατικός** | **Μέλλοντας** | **Αόριστος** |
| φονεύω |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **Ενεστώτας** | **Παρατατικός** | **Μέλλοντας** | **Αόριστος** |
| κομίζομαι |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| **Ενεστώτας** | **Παρατατικός** | **Μέλλοντας** | **Αόριστος** |
| καλύπτω |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| **Ενεστώτας** | **Παρατατικός** | **Μέλλοντας** | **Αόριστος** |
| ἐλέγχομαι |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |